Dainik Bhaskar (Indore), 06th January 2026, Page – 07

आईआईटी इंदौर में 'अभ्युदय-3' का आयोजन

संगोष्ठी : विज्ञान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकती है हिंदी

इंदौर| इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर में सोमवार दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 'अभ्युदय-3' की शुरुआत हुई। यह संगोष्ठी आईआईटी इंदौर द्वारा आईआईटी जोधपुर एवं सीएसआईआर (राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान) के सहयोग से कराई जा रही है। इसका उद्देश्य उच्चतर शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और प्रशासन में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन हुआ, जिसमें समीक्षा के बाद चयनित 26 शोध पत्र शामिल किए गए। इन शोध पत्रों को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी तथा डिजिटल तकनीक एवं नवाचार से जुड़े दो तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत किया गया। सत्र की अध्यक्षता आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने की। उन्होंने कहा कि तकनीकी हिंदी को सशक्त बनाकर ज्ञान और विज्ञान को स्थानीय भाषा से जोड़ा जा सकता है।

आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल ने संगोष्ठी को तकनीकी शिक्षा में हिंदी संवाद की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। वहीं, सीएसआईआर- निस्पर के डॉ. सीबी सिंह ने हिंदी में शोध लेखन को प्रोत्साहित किया।